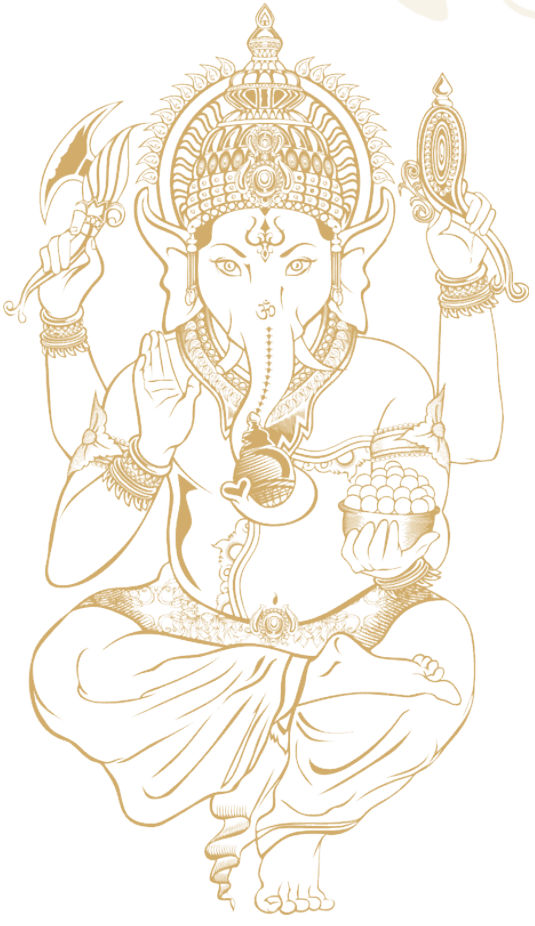

Mrs. Vidhi Maran

04 Oct 2025

02:45 PM

Hyderabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121467707

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/10/2025**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**14:45:00 घंटे**
इष्ट	21:34:25 घटी
स्थान	**Hyderabad**
राज्य	Telangana
देश	India

अक्षांश	17:22:00 उत्तर
रेखांश	78:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:28:44 घंटे
वेलान्तर	00:11:17 घंटे
साम्पातिक काल	15:22:00 घंटे
सूर्योदय	06:07:14 घंटे
सूर्यास्त	18:02:28 घंटे
दिनमान	11:55:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:11:31 कन्या
लग्न के अंश	18:19:08 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शूल
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गौतमी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	18:19:08	398:22:13	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
सूर्य			कन्या	17:11:31	00:59:05	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	सम राशि
चंद्र			कुंभ	09:53:35	13:53:24	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल			तुला	13:57:28	00:41:03	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
बुध			तुला	02:15:44	01:32:24	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	28:38:42	00:06:50	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	24:01:29	01:14:01	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	03:17:13	00:04:26	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	24:01:48	00:00:57	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु			सिंह	24:01:48	00:00:57	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	06:55:10	00:01:21	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	06:14:29	00:01:37	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:10:18	00:00:16	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			तुला	28:41:01	--	विशाखा	--	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:04

लग्न-चलित

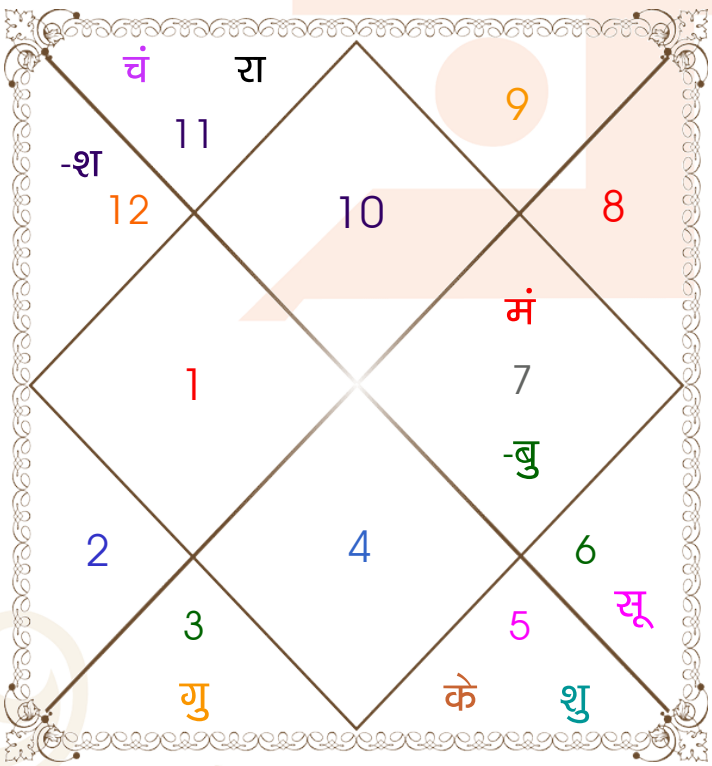

चन्द्र कुंडली

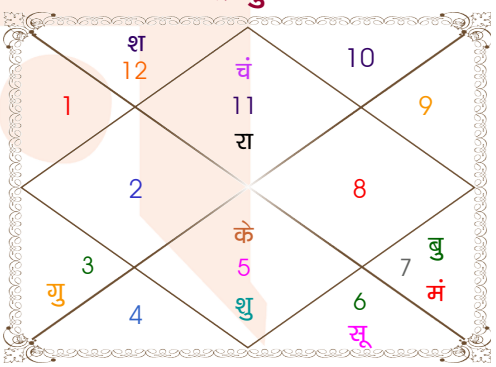

नवमांश कुंडली

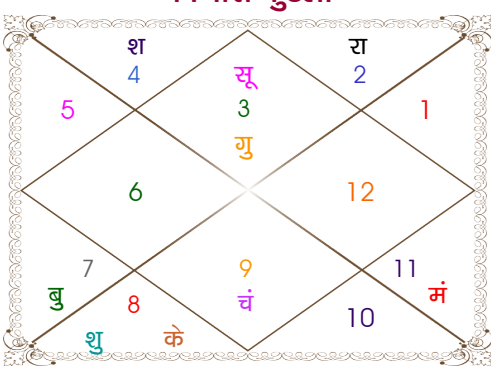

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 13 वर्ष 7 मास 22 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
04/10/2025		28/05/2039		28/05/2055		27/05/2074		28/05/2091	
28/05/2039		28/05/2055		27/05/2074		28/05/2091		27/05/2098	
	04/10/2025	गुरु	15/07/2041	शनि	31/05/2058	बुध	23/10/2076	केतु	24/10/2091
गुरु	03/07/2026	शनि	26/01/2044	बुध	07/02/2061	केतु	20/10/2077	शुक्र	23/12/2092
शनि	09/05/2029	बुध	03/05/2046	केतु	18/03/2062	शुक्र	20/08/2080	सूर्य	30/04/2093
बुध	26/11/2031	केतु	09/04/2047	शुक्र	18/05/2065	सूर्य	27/06/2081	चंद्र	29/11/2093
केतु	14/12/2032	शुक्र	08/12/2049	सूर्य	30/04/2066	चंद्र	26/11/2082	मंगल	27/04/2094
शुक्र	15/12/2035	सूर्य	26/09/2050	चंद्र	29/11/2067	मंगल	23/11/2083	राहु	16/05/2095
सूर्य	07/11/2036	चंद्र	26/01/2052	मंगल	07/01/2069	राहु	12/06/2086	गुरु	20/04/2096
चंद्र	09/05/2038	मंगल	01/01/2053	राहु	14/11/2071	गुरु	17/09/2088	शनि	30/05/2097
मंगल	28/05/2039	राहु	28/05/2055	गुरु	27/05/2074	शनि	28/05/2091	बुध	27/05/2098

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
27/05/2098		28/05/2118		28/05/2124		28/05/2134		28/05/2141	
28/05/2118		28/05/2124		28/05/2134		28/05/2141		00/00/0000	
शुक्र	27/09/2101	सूर्य	15/09/2118	चंद्र	28/03/2125	मंगल	25/10/2134	राहु	08/02/2144
सूर्य	27/09/2102	चंद्र	17/03/2119	मंगल	27/10/2125	राहु	12/11/2135	गुरु	05/10/2145
चंद्र	28/05/2104	मंगल	23/07/2119	राहु	28/04/2127	गुरु	18/10/2136		00/00/0000
मंगल	28/07/2105	राहु	15/06/2120	गुरु	27/08/2128	शनि	27/11/2137		00/00/0000
राहु	28/07/2108	गुरु	03/04/2121	शनि	29/03/2130	बुध	24/11/2138		00/00/0000
गुरु	29/03/2111	शनि	16/03/2122	बुध	28/08/2131	केतु	22/04/2139		00/00/0000
शनि	28/05/2114	बुध	21/01/2123	केतु	28/03/2132	शुक्र	21/06/2140		00/00/0000
बुध	28/03/2117	केतु	29/05/2123	शुक्र	27/11/2133	सूर्य	27/10/2140		00/00/0000
केतु	28/05/2118	शुक्र	28/05/2124	सूर्य	28/05/2134	चंद्र	28/05/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 13 वर्ष 7 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के तृतीय चरण में मकर लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन नवमांश एवं वृषभ द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप आपके जन्म के साथ-साथ लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का शुभागमन की स्थापना हो रही है। अर्थात् आपका जीवन ज्ञान और लक्ष्मी दोनों से युक्त रहेगा। देवी-देवता द्वारा ज्ञान एवं लक्ष्मी की वृद्धि आपके पक्ष में होगी। आपका जीवन सुखी एवं आनंदपूर्ण रहेगा। आप बहुत बड़ी भाग्यशाली हैं। आपके पति आकर्षक एवं घर-परिवार को सुव्यवस्थित रखने वाले तथा संतान समझदार होंगे।

आप गायन कला की गहन शिक्षा प्राप्त कर गायन कला में निपुणता प्राप्त कर आप अपने कर्म क्षेत्र का विस्तार करेंगी। साथ ही ज्योतिष एवं गणितीय शिक्षा में सर्वथा संभाव्य अभिरूचि रखेंगी। आपके सामान्य ज्ञान की छाप बहुत लोगों पर प्रभाव डालेगी तथा जो व्यक्ति आपसे संबंधित रहेंगे। वे लोग आपके पास पहुंच कर, वे बहुत विषयों से संबंधित आपकी राय एवं निर्देशन प्राप्त करेंगे।

अतएव आप संबंधित व्यक्ति द्वारा धन का संचय करेंगी। आप भाग्यशाली हैं। आप अपने जीवन की आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष के मध्य सर्वाधिक लाभ उपार्जन हेतु उंची छलांग लगाकर अपनी जड़ को सुदृढ़ कर लेंगी। आप ऐसी आशा कर सकती हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान एवं आंतरिक अपार शक्ति के सम्मिलन से अतिरिक्त धन प्राप्ति एवं समृद्धि हेतु अपनी क्षमता के अनुरूप कठिन श्रम करेंगी। आप अपनी आत्मिक शक्ति के आधार पर किसी भी प्रकार के कार्य व्यवसाय के पीछे पड़ कर कार्यारंभ कर सकेंगी। चाहे कितनी भी मुश्किलें आएं। आप उसका सामना करेंगी। आप किसी भी विषय पर बहुत अधिक चिंता करती हैं। आप इन चिंताओं का परित्याग करे अन्यथा कुछ वर्षों के बाद आपको पाचन क्रिया की विकृत्ति जैसी समस्याओं को झेलना पड़ेगा। आपको कतिपय रोगादि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। यथा उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति में बृद्धि, गठिया संबंधित रोग जनित पीड़ा एवं क्षय रोगादि के कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप इन विंदुओं पर समय-समय पर चिकित्सा संबंधी जांच कराती रहें।

आप दानशील प्रवृति की प्राणी हैं। आप उदारभाव से संस्थाओं को दान करेंगी तथा स्वयंसेवी होकर सामाजिक सेवा करेंगी। आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्रवृति की प्राणी होकर अनेक तीर्थस्थलों का भ्रमण करेंगे।

आपके लिए अंकों में उत्तम अंक 6, 8 एवं 9 अंक लाभप्रदायक होगा। परंतु अंक 3 का सर्वथा त्याग करे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन उत्तम फलदायी है। परंतु रविवार, सोमवार एवं बृहस्पतिवार का दिन आपके लिए समस्याग्रस्त रहेगा। अतएव इन दिनों का परित्याग करें।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग सर्वथा अनुपयुक्त है। आपके लिए व्यवहारणीय रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग उपयुक्त है।